चीनी उत्पादक कंपनियों के शेयरों में तेजी

कृषि मंत्री शरद पवार की अध्यक्षता वाले अनौपचारिक मंत्रिसमूह के प्रोत्साहनों के मद्देनजर चीनी कंपनियों के शेयरों में बढ़त दर्ज हुई है। बीएसई में शक्ति शुगर्स का शेयर में 10.39 फीसदी जबकि बजाज हिंदुस्तान का शेयर 5.46 फीसदी चढ़ा। इधर, द्वारिकेश शुगर का शेयर 5 फीसदी चढ़ा जबकि मवाना शुगर के शेयर में 4.98 फीसदी, धामपुर शुगर में 4.96 फीसदी, श्री रेणुका शुगर्स में 4.96 फीसदी और बलरामपुर चीनी में 2.56 फीसदी की तेजी दर्ज हुई। भाषा

Business standard
7/12/13

चीनी मिलों को मिलेगा 7,200 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण, अन्य रियायत पर भी विचार

उद्योग को मिली राहत की चीनी

बीएस संवाददाता
नई दिल्ली, 6 दिसंबर

नकदी के संकट से जूझ रहे चीनी उद्योग को राहत देने के लिए आज एक उच्च स्तरीय समिति ने 7,200 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराने का फैसला किया है। इस ब्याज मुक्त ऋण का इस्तेमाल मिलें किसानों का बकाया चुकाने के लिए करेंगी और इस पर लगने वाला ब्याज सरकार चुकाएगी या फिर इसकी भरपाई चीनी विकास कोष (एसडीएफ) से की जाएगी। इस कोष के लिए रकम गन्ने की पेराई पर लगने वाले उपकर से जुटाई जाती है।

मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की अध्यक्षता करने वाले कृषि मंत्री शरद पवार ने बताया कि मिलों को 12 फीसदी ब्याज पर ऋण मिलता है, जिसमें से 7 फीसदी ब्याज एसडीएफ से चुकाया जाएगा जबकि 5 फीसदी ब्याज का वहन केंद्र सरकार करेगी। इस बैठक में केंद्र के वरिष्ठ नेताओं और प्रमुख चीनी उत्पादक राज्यों के मुख्यमंत्रियों व अधिकारियों ने शिरकत की। पवार ने बताया, 'हालांकि चीनी मिल मालिकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि बैंक से लिए गए ऋण का इस्तेमाल वे किसानों का बकाया चुकाने में ही कर रहे हों।' उन्होंने बताया कि मिलों द्वारा बैंकों से 7,200 करोड़ रुपये ऋण लेने का अनुमान है।

इसके तहत लिए गए ऋण की अदायगी 5 वर्ष की अवधि में की जा सकती है और इस अवधि के पहले दो वर्ष में उन्हें कोई ऋण नहीं चुकाना होगा। चीनी मिलों को भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार मौजूदा ऋण के पुनर्गठन करने की अनुमति भी दे दी गई है। इसके अतिरिक्त मंत्रिसमूह ने मिल मालिकों को अक्टूबर से शुरू हुए गन्ना पेराई सत्र में करीब 40 लाख टन कच्ची चीनी का उत्पादन करने पर प्रोत्साहन देने का भी फैसला किया है। भारत आमतौर पर कच्ची चीनी का उत्पादन और रिफाइंड चीनी का आयात करता है। मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की इस बैठक में वित्त मंत्री पी चिदंबरम, नागरिक उड्डयन मंत्री अजित सिंह, खाद्य मंत्री के वी थॉमस, पेट्रोलियम मंत्री वीरप्पा मोइली भी मौजूद थे। कृषि मंत्री ने कहा, 'मिलों को कितना प्रोत्साहन दिया जाएगा यह अभी तय नहीं है लेकिन यह विश्व व्यापार संगठन के मानकों के अनुसार ही होगा।'

पवार ने बताया कि मंत्रिसमूह ने अनिवार्य एथेनॉल मिश्रण की सीमा मौजूदा 5 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी करने की मिलों की मांग को स्वीकार कर लिया है। इस कदम से मिलों में नकदी प्रवाह बढ़ेगा। इस कदम के क्रियान्वयन के लिए खाद्य एवं कृषि मंत्रालय के अधिकारियों की एक अंतर-मंत्रालीय समिति का गठन किया जाएगा। पवार ने कहा कि सरकार चीनी के आयात पर नजर रख रही है और जरूरत पड़ी तो चीनी का आयात शुल्क बढ़ाया जा सकता है। मंत्रिसमूह ने खाद्य मंत्रालय को 20 लाख टन चीनी का बफर स्टॉक बनाने की मिलों की मांग पर विस्तृत नोट तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही 2013-14 और 2014-15 में इसके वित्तीय और बजटीय असर की जानकारी भी मांगी।

चीनी उद्योग को उबारने की तैयारी

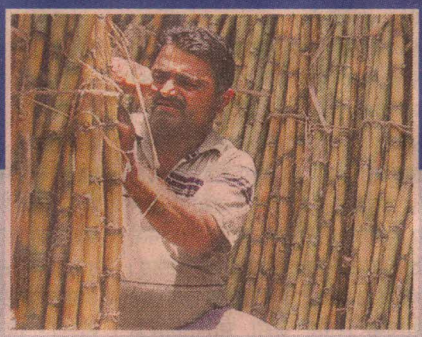

मंत्रिसमूह की सिफारिशों के बाद बीएसई पर शक्ति शुगर्स का शेयर 10.39 फीसदी, बजाज हिंदुस्तान 5.46 फीसदी, मवाना शुगर 4.98 फीसदी, धामपुर शुगर 4.96 फीसदी, श्री रेणुका शुगर्स 4.96 फीसदी और बलरामपुर चीनी मिल्स में 2.56 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

ऋण पर लगने वाले 12 फीसदी ब्याज में से 7 फीसदी जाएगा एसडीएफ से

- बाकी 5 फीसदी ब्याज का बोझ उठाएगा केंद्र
- ऋण की अदायगी के लिए मिलों को मिलेगा 5 वर्ष का समय
- एथेनॉल मिश्रण सीमा 5 फीसदी से बढ़ाकर की 10 फीसदी
- आयात शुल्क की भी होगी समीक्षा

10 दिसंबर के बाद रफ्तार पकड़ेगी पेराई

वीरेंद्र सिंह रावत
लखनऊ, 6 दिसंबर

देश के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में 10 दिसंबर के बाद मिलों में रफ्तार से पेराई शुरू होने की उम्मीद है। राज्य में मौजूद करीब 123 चीनी मिलों में से 45 ने पेराई शुरू कर दी है और माना जा रहा है कि अगले एक या दो दिन में बाकी मिलों में भी पेराई शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश के गन्ना आयुक्त एस सी शर्मा ने बताया, 'गुरुवार तक 43 चीनी मिलों ने पेराई शुरू की थी और 15 से 20 निजी चीनी मिलें आज पेराई शुरू कर देंगी।' परिचालन कर रही चीनी मिलों में से 22 सहकारी और 20 निजी चीनी मिलें हैं। उत्तर प्रदेश चीनी मिली संगठन के सचिव दीपक गुप्तारा ने बताया कि ज्यादातर निजी मिलों में पेराई 10 दिसंबर तक शुरू होगी। अभी तक मिलों ने 48.96 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई कर 3.72 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। रिकवरी फीसदी अब भी 7.60 फीसदी ही है।